1 HOTS थोङ्ला के पहले के आखिरी गाँव पहुँचने पर भिखमंगे के वेश में होने के बावजूद लेखक को ठहरने के लिए उचित स्थान मिला, जबकि दूसरी बार यात्रा के समय भद्र वेश भी उन्हें स्थान नहीं दिला सका। क्यों?

उत्तर तिब्बत के इस मार्ग पर सभी यात्रियों के लिए एक जैसी व्यवस्था नहीं होती। जान-पहचान होने पर ठीक जगह मिल जाती थी, वरना भटकना पड़ता था। यात्रियों का आदर-सत्कार करना उन लोगों की उस समय की मनोदशा पर निर्भर करता था।

शाम के छः बजे के बाद गाँव के लोग छङ् (मदिरा जैसा पेय पदार्थ) पीकर होश में नहीं रहते, इसलिए वे अंतर नहीं कर पाते कि यात्रियों ने कैसे वस्त्र पहन रखे हैं या किसके साथ कैसा आदर-सत्कार करना चाहिए। यही कारण था कि दूसरी बार भद्र वेश भी उन्हें उचित स्थान नहीं दिला सका।

2 उस समय के तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों को किस प्रकार का भय बना रहता था?

उत्तर उस समय के तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण वहाँ के लोग बंदूक या पिस्तौल लाठियों की तरह कंधे पर लेकर चलते थे। निर्जन होने के कारण भी वहाँ यात्रियों को डाकुओं का हमेशा भय बना रहता था। सरकार पुलिस और खुफ़िया विभाग पर ज़्यादा खर्च नहीं करती थी। वहाँ डाकू किसी को भी आसानी से मार देते थे, इसलिए यात्रियों को हत्या और लूटपाट का भय बना रहता था।

3 लेखक लङ्कोर के मार्ग में अपने साथियों से किस कारण पिछड़ गया?

उत्तर लेखक लङ्कोर के मार्ग में अपने साथियों से इसलिए पिछड़ गया, क्योंकि वहाँ का रास्ता ऊँची चढ़ाई का था और जो घोड़ा मिला था, वह भी सुस्त था एवं धीरे-धीरे चल रहा था। लेखक रास्ता भी भटक गया था, क्योंकि दो रास्ते एक साथ निकल रहे थे। वह गलत रास्ते पर डेढ़ किलोमीटर तक चला गया था। पूछने पर सही रास्ते का पता चला, तब उसने वापस उसी रास्ते पर आकर पुनः सही रास्ते को पकड़ा।

4 लेखक ने शेकर विहार में सुमति को उसके यजमानों के पास जाने से रोका, परंतु दूसरी बार रोकने का प्रयास क्यों नहीं किया?

उत्तर लेखक ने शेकर विहार में सुमति को उसके यजमानों के पास जाने से रोका, क्योंकि उसे वहाँ लगभग एक सप्ताह लग सकता था और लेखक के पास उतना समय इंतजार करने के लिए नहीं था, परंतु दूसरी बार इसलिए नहीं रोका, क्योंकि लेखक को बुद्धवचन के अनुवाद की मूल्यवान हस्तलिखित पोथियाँ मिल गई थीं, जिनका अध्ययन लेखक एकांत में करना चाहता था।

Scanned with CamScanner

5 अपनी यात्रा के दौरान लेखक को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

उत्तर अपनी तिब्बत यात्रा के दौरान लेखक को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा; जैसे–लेखक को भिखारी के वेश में यात्रा करनी पड़ी, रास्ते में वह अपने साथियों से बिछड़ गया, क्योंकि वह रास्ता भटक गया था, अपना सामान उसे स्वयं पीठ पर ढोना पड़ा, अधिक ठंड और कड़ी धूप का सामना करना पड़ा, लौटते समय ठहरने के लिए अच्छा स्थान नहीं मिला आदि।

6 प्रस्तुत यात्रा वृत्तांत के आधार पर बताइए कि उस समय का तिब्बती समाज कैसा था?

उत्तर प्रस्तुत यात्रा वृत्तांत के आधार पर उस समय का तिब्बती समाज खुले विचारों वाला था। वहाँ किसी प्रकार का सामाजिक भेदभाव और छुआछूत की भावना नहीं थी। स्त्रियों में पर्दा-प्रथा जैसी रूढ़ियाँ नहीं थी। वे धार्मिक चिह्न गंडों (मंत्र पढ़कर गाँठ लगाया हुआ धागा) में विश्वास रखते थे। अपरिचित व्यक्ति भी घर के अंदर तक जा सकता था और अपनी चाय बनवा सकता था। वहाँ के निवासी शाम छः बजे के बाद छङ् पीकर मस्त रहते थे।

7 "मैं अब पुस्तकों के भीतर था" नीचे दिए गए विकल्पों में से कौन-सा इस वाक्य का अर्थ बतलाता है?

(क) लेखक पुस्तकें पढ़ने में रम गया।

(ख) लेखक पुस्तकों की शैल्फ़ के भीतर चला गया।

(ग) लेखक के चारों ओर पुस्तकें ही थीं।

(घ) पुस्तक में लेखक का परिचय और चित्र छपा था।

उत्तर *(क)* लेखक पुस्तकें पढ़ने में रम गया।

Scanned with CamScanner